खबर संक्षेप

भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक आज

मण्डला। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के मार्गदर्शन में 11 जुलाई को दोपहर 12 बजे से भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में जिला कार्यसमिति की बैठक आयोजित की गयी है इस महत्वपूर्ण बैठक में जिले की विभिन्न विषयों कार्यक्रमों आयोजनों पर विशेष चर्चा के साथ संगठनात्मक विषयों पर भी संवाद होगा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुधीर कसार ने बताया कि इस बैठक में सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति सदस्य, पूर्व जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा प्रकोष्ठ के प्रदेश पदाधिकारी, अध्यक्ष, संयोजक, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्य, जनपद अध्यक्ष, नगर पालिका एवं नगरपरिषद के अध्यक्ष अपेक्षित रहेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री भीष्म द्विवेदी ने बैठक में अपेक्षित सभी सम्मानीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण से जिला कार्यसमिति बैठक में शामिल होने आग्रह किया है। मण्डला लोकसभा सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते का 11 जुलाई को ग्राम जेवरा से प्रस्थान कर 10.40 बजे मंडला आगमन होगा श्री कुलस्ते मंडला भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित जिला कार्यसमिति की बैठक में शामिल होंगे तथा स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा करेंगे तथा नगर के स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। रात्रि में अपने गृह ग्राम जेवरा के लिए प्रस्थान करेंगे।

ट्रेंचिग ग्राउंड में लगाए 350 पौधे, प्रत्येक घर में एक पौधा लगाने की अपील

नैनपुर। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प एक पेड़ मां के नाम की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए नैनपुर के वार्ड नंबर 14 स्थित ट्रेंचिग ग्राउंड में वृहद पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, उपाध्यक्ष श्रीमती संजू लता वैष्णव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी लक्ष्मण सिंह सारस, पार्षदगण समेत उपस्थित आगंतुकों द्वारा 350 पौधे लगाए गए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने उपस्थित आगंतुकों को ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण केंद्र का निरीक्षण कराते हुए ठोस अपशिष्ट से खाद्य बनाने की प्रक्रिया के विषय पर चर्चा की। नैनपुर नपा अध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने नगर के प्रत्येक घरों में 01 पौधा लगाए जाने की अपील की है। उक्त पौधे नगर पालिका से संपर्क कर प्राप्त किए जा सकेंगे। पौधारोपण कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, उपाध्यक्ष श्रीमती संजू लता वैष्णव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी लक्ष्मण सिंह सारस एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मनमाना किराया वसूल रहे बस संचालक, रूट को लेकर भी मनमानी

किराये को लेकर स्पष्टता क्यों नहीं

*** टिकिटों को लेकर विभाग उदासीन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मण्डला आदिवासी बाहुल्य जिले में यात्री बस संचालकों की मनमानी में कोई फर्क नहीं पड़ा फिर चाहे वे दिन में संचालित बसें हों या रात्रि को संचालित बसें। इन यात्री बसों में सुविधाओं के नाम पर महज दिखावा होता है स्लीपर पर 8-8 सवारियों को बैठाया जाता है निर्धारित रूट से अलग बसें संचालित की जा रही हैं किराये को लेकर न तो कोई सूची और न ही फिटनेस एवं परमिट की जानकारी चस्पा होती है। ग्रामीण क्षेत्र के यात्रियों से बेहूदगी भी कम नहीं हो रही आखिर परिवहन विभाग इस पर ध्यान क्यों नहीं देता। टिकिट ऐसी दी जाती है जिसे समझ पाना किसी भी जानकार के लिये संभव नहीं। डिजीटल के इस युग में इस तरह के टिकिटें आज भी चलना समझ से परे है।

बस संचालक की मनमानी

रोहाणी बस परिवहन द्वारा यात्रियों से मनमाना किराया वसूला जा रहा है। मण्डला से होकर जाने वाली जबलपुर-रायपुर रोहाणी ट्रेवल्स की बस में यात्रियों से टिकट के छुट्टे पैसा हड़पने और ज्यादा किराया वसूलने का मामला प्रकाश में आया है। ये शिकायत ओवरनाइट चलने वाली बसों में ज्यादा आ रही है।

यात्रा के बीच के बस स्टॉप जैसे बिछिया, सिझोरा, मोतीनाला आदि से देर रात चढ़ने वाले यात्रियों से ज्यादा किराया वसूल कर मजबूरी का फायदा उठाया जा रहा है। विरोध करने पर कन्डेक्टर द्वारा उल्टा यात्री को ही हड़का दिया जाता है।

रात होने के कारण यात्री को भी अपनी सुरक्षा का खतरा होता है इसलिए वो आगे बहस न कर चुपचाप ठगा जा रहा है। यदा-कदा बस का सफर करने वाले यात्रियों को किराया का पता नहीं होता। इसका फायदा बस कन्डक्टर मनमाना किराया वसूल कर उठा रहे है।

यात्री विनय शंकर दुबे ने बताया वाक्या 8 जुलाई की रात 9:30 में रायपुर से कवर्धा पहुंची रोहाणी बस ट्रेवल्स की बस क्रमांक MP 18 P 9001 का है। यहाँ बस के गेट में कंडक्टर ने कवर्धा से मंडला का किराया 250 बताया। यात्री ने 300 रुपए दिये कंडक्टर ने 50 रुपए वापिस नहीं किये और सीट में बैठने को कहा। कुछ देर में बस रवाना हो गई। तब तक दूसरा कंडक्टर बस में चढ़ गया था। जब यात्री ने छुट्टे पैसे वापस मांगे तो दूसरे कंडक्टर ने यात्री से कहा वो कंडक्टर जिसने टिकट बनाई थी वो तो चला गया अब पैसे वापस नहीं हो सकते। इस तरह से 250 की जगह 300 वसूल किये गए। इसके बाद दूसरा यात्री देर रात सिझोरा से इस बस पर मंडला के लिए चढ़ा। उसने किराया पूछा तो कंडक्टर ने सिझोरा से मंडला का किराया 250 बताया। यात्री को किराया ज्यादा लगा तो उसने सवाल किया। कंडक्टर ने जवाब देते हुए कहा इतना ही किराया लगेगा। अब सवाल ये है कि कवर्धा से मंडला और सिझोरा से मंडला का किराया एक समान कैसे हो सकता है। जाहिर है बस कंडक्टर के द्वारा मनमाना किराया वसूला जा रहा है। इस तरह बदइंतजामी और बत्तमीजी से बस का संचालन किया जा रहा है।

टिकट के नाम पर कागज़ की चिट

यात्रियों को टिकट के नाम पर कागज़ की चिट थमाई जा रही है। जिसमें किराया राशि का उल्लेख ही नहीं किया जाता। यही वजह है कि किराया की जानकारी यात्रियों को नहीं होती। इस के अलावा कई बसों में किराया सूची नहीं लगी है। मंडला जिले की उपेक्षा की हद देखिए बस संचालकों द्वारा यह ग्रामीण रुट निर्धारित है, जिसके कारण इस रूट में कंपनी के द्वारा अपनी सबसे कंडम गाड़ियों को सड़क में उतारा जाता है।

वापसी में महाराजपुर होकर नहीं आती गाड़ी

रायपुर रुट में चलने वाली गाड़ियां सवारी लेने के लिए जाते समय महाराजपुर होकर जाती है, लेकिन वापसी में यहाँ से नहीं निकलती, बायपास होकर सीधे बस स्टैंड में रुकती है। महाराजपुर के लिए आने वाले यात्रियों को देर रात परेशानियों का सामना करना पड़ता है। देखना ये होगा कि बस परमिट में कौन सा रुट निर्धारित किया गया है। लोगों की मांग है कि वापसी में भी गाड़ियां महाराजपुर होकर ही मंडला बस स्टैंड पहुँचे।

इनका कहना है:-

जानकारी प्राप्त हुई है जांच कराई जाएगी।

-रमा दुबे,
जिला परिवहन अधिकारी मण्डला

सेवा निवृत शाला में जाकर हम दे सकते हैं अपना श्रेष्ठ-सेवा निवृत शिक्षकों ने की अपील

*** पूरी सेवा में सिर्फ देने का भाव होने के कारण शिक्षक सेवानिवृति पर भी खुश रहता है-डी के सिंगौर**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के बैनर तले जून माह में सेवानिवृत हुए 42 शिक्षकों का समान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुय अतिथि मुन्नी वरकड़े जिला शिक्षा अधिकारी, विशिष्ठ अतिथि सेंदराम सहायक संचालक, सेवानिवृत शिक्षक व पर्यावरण विद राजेश क्षत्री उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जून माह में जिले भर के सेवानिवृत 42 शिक्षकों का समान शाल, श्रीफल, फूल माला और स्मृति चिन्ह भेंट करके किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत शिक्षिका मंजरी दुबे, निरंजन कछवाहा ने गीतों के माध्यम से कार्यक्रम में चार चांद लगाए। सेवानिवृत शिक्षक निरंजन कछवाहा, रामकुमार पटेल, अशोक हरदहा, अरुणा मेहता, लखन लाल सिंगौर ने जहां अपनी सेवा के अनुभव शेयर किए वहीं संकल्प लिया कि वे अपनी सेवानिवृत शाला में समय समय पर जाकर उस शाला में अपना समय देगें। विद्यालय के बच्चों से जुड़ेंगे और विद्यालय के विकास में अपना योगदान करेंगे, जिसका सभी उपस्थित सेवानिवृत शिक्षकों ने समर्थन किया।

नई ऊर्जा के साथ समाज के लिए दें समय

सेवानिवृत शिक्षकों ने एसोसिएशन के इस समान कार्यक्रम की प्रसंशा की और एसोसिएशन को आर्थिक मदद की बात भी कही राजेश क्षत्री, अशोक हरदहा ने आर्थिक सहयोग भी किया। कार्यक्रम की मुय अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी वरकड़े ने परिवार और समाज के लिए अपना समय नई ऊर्जा के साथ देने की बात कही। कार्यक्रम के अध्यक्ष एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डीके सिंगौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि एसोसिएशन लगभग डेढ़ वर्ष से जिले के सभी सेवानिवृत शिक्षकों का समान का कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। हर कार्यक्रम में सेवा निवृत शिक्षकों के नए चेहरे होते हैं। उनके अंदर समान मिलने की प्रसन्नता और कृतज्ञता के भाव से एसोसिएशन के पदाधिकारियों में उत्साह और ऊर्जा का संचार होता रहता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपनी पूरी सेवाकाल में सिर्फ देने का भाव रखता है। इसलिए शिक्षक अपनी सेवानिवृत पर भी खुश रहता है। कार्यक्रम में सभी सेवा निवृत शिक्षकों और अतिथियों का आभार प्रदर्शन महिला विंग जिला अध्यक्ष मीना साहू ने किया और कहा सेवा निवृत शिक्षक अपना अनुभव आने वाली पीढ़ी को शेयर कर उनका भला कर सकते हैं। आपका मार्गदर्शन हमें भी प्रदान करते रहें। कार्यक्रम का संचालन दिलीप मरावी ने किया।

अनुकंपा नियुक्ति के संबंध में शिविर आज, कलेक्टर ने की तैयारियों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

अनुकंपा नियुक्ति के लम्बित प्रकरणों के निराकरण तथा प्रकरणों की वर्तमान स्थिति से आवेदकों को अवगत कराने के उद्देश्य से 11 जुलाई 2024 को जिला योजना भवन में प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने आज संबंधित अधिकारियों की बैठक लेते हुए शिविर की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का पात्रतानुसार निराकरण की कार्यवाही करें। प्रत्येक आवेदक को पात्रता तथा उनके आवेदन की वर्तमान स्थिति से अवगत कराएं। यदि प्रकरणों में किसी दस्तावेज की कमी है तो एक सप्ताह में उनकी पूर्ति कराएं। उन्होंने आवेदकों को रिक्त पदों की जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए।

10 एम.ए.एन.-06

कलेक्टर ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति के संबंध में आवेदकों की काउंसलिंग करें तथा उन्हें आवश्यकतानुसार विकल्प के चयन का अवसर भी प्रदान करें। अधिकारी राज्य स्तर पर होने वाले अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों को लगातार फॉलोअप भी करें। शिविर में अनिवार्य रूप से जिला स्तर के अधिकारी संबंधित शाखा प्रभारी के साथ उपस्थित रहना सुनिश्चित करें। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर अरविंद सिंह, हुनेन्द्र घोरमारे एवं ऋषभ जैन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे

महिला श्रमिकों को किया गया जागरूक

मण्डला। हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वुमेन के 100 दिवसीय जागरूकता अभियान अंतर्गत पीएमएमवीवाई योजना के निर्माण श्रमिकों का नामांकन जिले में निर्माण स्थलों पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला पंचायत मण्डला के पिछे गायत्री मंदिर के पास गर्भवती महिला श्रमिकों को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के बारे में जागरूक किया गया एवं गर्भवती, धात्री महिलाओं को संतुलित भोजन एवं प्रसव से पहले पर्याप्त आराम की आवश्यकता के बारे में बताया गया। साथ ही मातृवंदना योजना से जुड़ने हेतु मार्गदर्शन दिया गया। जिला हब में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी बताया गया और वन स्टॉप सेंटर में दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गई।

मैनेजमेंट बोर्ड के सदस्य बनने पर विधायक नारायण सिंह पट्टा के आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/भुआबिछिया

प्रदेश के जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के मैनेजमेंट बोर्ड के सदस्य निर्वाचित होने के बाद जिले की बिछिया विधानसभा के वरिष्ठ विधायक नारायण सिंह पट्टा बुधवार को बिछिया नगर मुख्यालय पहुंचे जहाँ कांग्रेस जनों व जन प्रतिनिधियों ने उनका आत्मिक अभिनन्दन किया। कांग्रेस जनों ने बिछिया के विश्राम गृह परिसर में उनका अभिनन्दन कार्यक्रम आयोजित किया जहां फूल मालाएं पहनाकर व पुष्प गुच्छ भेंट कर विधायक श्री पट्टा का अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि ये उपलब्धि कार्यकर्ताओ और जनता की उपलब्धि है, कृषि विश्वविद्यालय के प्रबंध मण्डल में रहकर किसानों और विद्यार्थियों के लिए समर्पित भावना से कार्य करना ही एकमात्र लक्ष्य है। आम जनता के सुझावों को इस माध्यम से केंद्र व राज्य सरकार तक पंहुचा कर जनता के अनुसार नीतियों को लागू करवाना हमारी प्राथमिकता होगी। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जोश सिंह ठाकुर, अशोक राजपूत अशोक ज्योतिषी, दादू लाल जंघेला, विधयक प्रतिनिधि टेकराम राय, अरविंद कुशराम अरुण पांडेय, नगर पंचायत उपाध्यक्ष रानू राजपूत, पार्षद गण विकास गवले नारायणी साहू त्रिवेणी तेकाम, विकास साहू, टोनी मिश्रा अमन राजपूत, निखिल राजपूत, टीकाराम तुमराली, सोनू साहु अक्षत झारिया मोंटू खान, आलोक पड़वाड प्रसून पांडे कलीराम मार्को समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक | **सद्भाव के साथ त्यौहार मनाने की रही है परम्परा।**

रैली एवं जुलूस की देनी होगी समय पूर्व सूचना

*** शांति समिति की बैठक सम्पन्न।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मुहर्रम एवं आगामी सभी त्यौहारों के मद्देनजर कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिला योजना भवन में सम्पन्न हुई इस बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा सहित संबंधित अधिकारी तथा समिति सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि जिले में सभी त्यौहार शांति और सद्भाव के साथ मनाए जाने की परम्परा रही है। सभी सम्प्रदाय के लोग आपस में मिलजुल त्यौहार मनाते हुये जिले की इस गौरवशाली परम्परा को सदैव कायम रखें। उन्होंने कहा कि कोलाहल नियंत्रण अधिनियम का पालन करते हुए पर्व मनाएं। साथ ही रैली एवं जुलूश की समयपूर्व सूचना एसडीएम एवं पुलिस को दें। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि आगामी 2 दिनों में सड़कों की मरम्मत करें। सफाई व्यवस्था विशेष ध्यान दें। त्यौहारों के दौरान विद्युत आपूर्ति निर्बाध रखें।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने कहा कि जुलूस तथा रैली के दौरान आपत्तिजनक गीत-संगीत न बजाएं, ना ही ऐसे कोई भी नारे लगाएं। उन्होंने कहा कि त्यौहार के दौरान ऐसे कोई भी कृत्य नहीं करें जिससे अन्य धर्मों या सम्प्रदाय के सम्मान एवं भावनाओं को ठेस पहुंचे। डीजे एवं साउण्ड सिस्टम के उपयोग में अनुमत्य समय एवं क्षमता का भी पालन करें।

mp gb आपका अपना बैंक

मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक

भारत सरकार मध्यप्रदेश शासन एवं बैंक ऑफ इंडिया का संयुक्त उपक्रम
प्रधान कार्यालय: 204, सी-21 बिजनेस पार्क, सी-21 चौराहा, होटल रेडीसन ब्लू के सामने, एम.आर.10 इन्दौर (म.प्र.)- 452010

क्षेत्रीय कार्यालय- प्रथम तल बिंझिया तिराहा लालीपुर मण्डला (म.प्र.)-481661

आधिपत्य नोटिस (स्थावर संपत्ति)

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (2002 का 54) की धारा 13 (12) और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 का सपठित नियम 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित ऋणधारियों को ब्याज राशि सहित नोटिस प्राप्ति की दिनांक से 60 दिन की समयावधि में भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था। ऋणग्रहिता राशि का भुगतान करने में असफल रहे हैं। ऋणग्रहिताओं तथा सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना-पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सहपठित उक्त नियम के नियम 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति का उनके सम्मुख उल्लेखित दिनांक को सांकेतिक अधिग्रहण कर लिया गया है। ऋणग्राहिताओं को विशेषतः और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद् द्वारा निम्नलिखित सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिए मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक के अधीन होगा।

शाखा का नाम ऋणी एवं जमानतदार का नाम	संपत्तियों का विवरण / चतुर्सीमायें एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग नोटिस दिनांक/सांकेतिक कब्जा दिनांक/नोटिस की राशि
शाखा: बिंझिया ऋणी:श्री गोपी लाल कछवाहा पिता श्री फग्गू लाल कछवाहा पता: वार्ड नं. 13, गुरार मोहल्ला, कोरगांव पुरावा जिला- मण्डला (म.प्र.) 481661 **जमानतदार:** श्रीमती तारा बाई कछवाहा पति श्री गोपी लाल कछवाहा पता: वार्ड नं. 13, गुरार मोहल्ला, कोरगांव पुरावा जिला-मण्डला (म.प्र.) 481661	सम्पत्ति विवरण P.H.N. 31/61,Khasra 486 1/ख, Area- 1090 sq.ft. Near by.गुरार मोहल्ला, कोरगांव पुरावा जिला- मंडला (म.प्र.) 481661 **संपत्ति की चतुर्सीमायें:-** पूर्व में- प्रेमलाल की जमीन पश्चिम में- मोहन दास की जमीन उत्तर में - वैसाखू की जमीन दक्षिण में - प्रहलाद कछवाहा का मकान मालिक श्री गोपी लाल कछवाहा पिता श्री फग्गू लाल कछवाहा	02/02/2024 09/07/2024 रू 785937/- + दिनांक 09/07/2024 से ब्याज एवं अन्य खर्च

दिनांक: 09.07.2024 — प्राधिकृत अधिकारी मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, मण्डला

खबर संक्षेप

शक्कर नदी के किनारे अज्ञात पुरूष की लाश

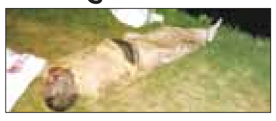

गाडरवारा। नगर में सनीसनी का महौल उस समय निर्मित होने से नही चूक पाया जब बीते हुये मंगलवार की देर शाम शहर की जीवन रेखा शक्कर नदी के पास एक युवक की लाश देखी गई। इस तरह माता वार्ड के पास शक्कर नदी किनारे लाश होने की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस ने पहुंचकर उसका निरीक्षण करते हुये नपा के वाहन के माध्यम से शासकीय चिकित्सालय भेजा गया। वही लाश की स्थिति को देखते हुये पुलिस का अनुमान है कि यह लाश अन्य कही से बेहकर आई हुई और शक्कर नदी माता वार्ड में किनारे पर रूक गई होगी। वही पुलिस द्वारा अज्ञात मृतक का पंचनामा तैयार करते हुये उसका लावारिश शव के रूप में पोस्ट मार्टम कराते हुये अंतिम संस्कार कराते हुये मर्ग कायम कर उसकी पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

बैकों के एटीएम बने पशुओं के तबेला

गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से सरकार द्वारा हर व्यक्ति को बैकों में खाता खुलबाने की बात कहते हुए संपूर्ण लेन देन को कागज से मुक्त कराया जा रहा है, जिसके चलते जब बैकों में कोई व्यक्ति पैसा निकालने के लिए पहुंचता है तो बैकों द्वारा कहा जाता है कि वह संपूर्ण लेनदेन एटीएमों के माध्यम से करे, जिसके लिए कहने को तो बैकों द्वारा नगर में जहां तहां एटीएमों की स्थापना की गई है। मगर उन एटीएमों की सच्चाई देखी जावे तो जहां एटीएमों में गंदगी का अम्बार लगा हुआ देखा जा रहा है, वही दूसरी ओर नगर के अनेक एटीएम इस प्रकार से देखे जा रहे है पर सुरक्षा की व्यवस्था रहना तो दूर की बात इन एटीएम सेन्टरों में पशुओं का डेरा जमा रहता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते दिवस एक बैक एटीएम में उस समय देखने मिली जब कुछ लोग उस एटीएम से पैसा निकालने के लिए पहुंचे तो एटीएम के अंदर पशुओं का डेरा इस प्रकार से जमा हुआ देखा गया कि मानों व पशु एटीएम में बैक द्वारा ही नियुक्त किये गये हो जो आराम से ए सी की हवा लेते हुए अपना समय व्यतीत कर रहे हो...?

आदिवासी छात्र जटिल मार्गो से होकर गुजरते हैं

बारहाबड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रतिवर्ष अनेक प्रकार के आयोजन करते हुए उन्हें खोज खोजकर स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया जाता है, मगर बच्चों को स्कूल जाने के लिए जब सुलभ रास्ते नही होगे तो वह इस स्थिति में वह केसे स्कूल पहुंच पायेगे? इस बात की सच्चाई इस जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले आदिवासी ग्राम गोटिटोरिया से दूर दराज पहाड़ी इलाको में आसानी से देखने मिली है, जहां पर आज भी ऐसे कुछ ग्राम बसे हुए है जहां पहुंचने के लिये दुर्गम रास्ते एवं पगड़न्डी रास्तों से होते हुए पहुंचना पड़ता है? बताया जाता है कि स्थानें पर न तो लाइट की व्यवस्था है न और न ही स्वास्थ्य न शिक्षा की व्यवस्था तथा खाने पीने का सामान उपलब्ध न होने के कारण उन्हे कई किलो मीटर पैदल चलकर गोटिटोरिया पहुंचकर बस के साधन से गाडरवारा आकर वे अपनी जीविका चलाने के लिए माहुल के पत्ता, चिरौंजी, गौंद, शहद, झाडू, लाठिया, ककड़ी, बाबेर, घास बेंचकर दैनिक उपयोग का सामान खरीददकर पुनः वापिस जंगल की उन्हें पहाड़यिों में पैदल जाते है।

बेरोजगार युवा सड़को पर भटकने हो रहे मजबूर

खुलरी। नौजवानो में कुछ नया करने का जज्बा और समाज में बदलाव लाने की ताकत होती है। किन्तु जब उन्हे सम्मान,कोई काम नही मिलता है तो उम्मीदों से भरी उनकी ऑखो की चमक गायब होने लगती है और उनकी सक्रियता खत्म होने से वे परिवार पर बोझ बनने के साथ ही कुंठित होने लगते है। बदनसीबी की बात है कि शहर व क्षेत्र के गांवो में इन दिनों महॅगाई के अलावा युवाओं की बेरोजगारी की समस्या आमलोंगो को परेशान कर रही है। बताया गया है कि क्षेत्र में कालेजों से डिग्रियॉ लेने वाले हजारों युवा लम्बे अरसे से बेरोजगारी का दंश झेल रहे है।

पैदा हो रही है 5 से लेकर 8 क्विंटल प्रति एकड़

मगर शासन द्वारा खरीदी जा रही मात्र 3 क्विंटल प्रति एकड़

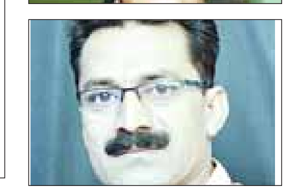

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जहां एक ओर केन्द्र से लेकर प्रदेश में बैठी हुई सरकारों द्वारा किसानों के प्रति हमदर्दी जताते हुये यह बात कहने से नही चकते है कि वह खेत को लाभ का धंधा बनाने में पीछे नही रहेगे..? वही दूसरी ओर किसानों द्वारा खून पसीना एक करते हुये पैदा की जाने वाली फसलों का भी उचित दाम देने का भरोसा दिलाया जाता है। मगर जब किसानों के खेतों में फसल तैयार होने के बाद विक्रय करने का समय आता है तो शासन द्वारा बनाये जाने वाले नियमों के तहत यानि की समर्थन मूल्य पर अन्नदाताओं द्वारा पैदा की जाने वाली फसल की खरीदी की जाती है वह मात्र औपचारिकता पूर्ण होते हुये दिखाई देने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र में देखने मिल रही है। क्योंकि शासन द्वारा जहां तहां बनाये गये गर्मी की मूंग का समर्थन मूल्य पर खरीदी का कार्य तो किया जा रहा है। मगर शुरू हुये खरीदी कार्य की यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह मात्र औपचारिकता पूर्ण होने से नही चूक पा रहे है। क्योंकि केन्द्र से लेकर प्रदेश की सत्ता में बैठे हुये नेताओं द्वारा अपने आपकों किसान पुत्र कहते हुये तो सुना जाता है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब सत्ता के बागडोर संभालने वाले नेतागण किसान पुत्र है तो उनको यह बात भी भलीभांति मालूम होगी कि किसानों की कौन सी फसल कब तैयार होती है और किसान उसका विक्रय करने के लिये कितना मजबूर होता है। यदि किसान की फसल को समय पर नही खरीदा गया तो निश्चित तौर से किसानों को अपनी जरूरत पूर्ण करने के लिये अपने फसल को खुले बाजार में ओने पोने दामों में विक्रय करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा..? यही हाल गर्मी की मूंग को लेकर देखने मिल रहा है। क्योंकि क्षेत्र के किसानों की मूंग तैयार होने के बाद लगभग एक माह पहले कट चुकी थी। मगर शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदी का कार्य काफी देरी से किये जाने के चलते अधिकांश किसानों द्वारा मजबूरी के चलते उसे ओने पोने दामों में विक्रय किया जा चुका है। क्योंकि जब किसान अपने खेतों में कोई फसल लगाता है तो उसके सुरक्षा से लेकर कटाई व कहाई के लिये कर्ज के रूप में पैसा लेकर ही लागत लगाता है और यदि तैयार हुई फसल को वह शासन द्वारा निर्धारित की गई तिथि तक विक्रय करने के लिये रोककर रखता है तो साहूकारों से लेकर फसल तैयार करने में लगाई गई लागत का ब्याज ही इतना हो जावेगा कि पूरी फसल की कीमत उसे चुकाने में ही लग जावेगी फिर बेचना अन्नदाता अपने बच्चों की जरूरतों से लेकर पेट कैसे पालेगा इस ओर शासन दिल्ली से लेकर प्रदेश की राजधानी तक का सैर कराने वाले लोगों शायद ही समझ सकते है? इस तरह शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर की जाने वाली खरीदी की तिथि का इंतजार करते हुये अपने अनाज को वही लोग रख पाते है जो साधन संपन्न होने के साथ साथ मजबूर किसानों से ओने पोने दामों में खरीदे गये माल को सफेद कुर्ताधारियों की मिली भगत से शासन को विक्रय करने में सक्षम होते है..? वही दूसरी ओर शासन द्वारा अन्नदाताओं की फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिये जो नियम व नीति बनाई जाती है उसके चलते हाल यह बन जात है कि किसानों की जरा सी ही फसल समर्थन मूल्य का विक्रय हो पाती है। कुछ इसी तरह की हाल इस समय चल रहे मूंग खरीदी में देखने मिल रहा है। बताया जाता है कि समर्थन मूल्य पर शासन द्वारा किसानों से गर्मी की मूंग खरीदने के लिये 3 क्विंटल प्रति एकड़ निर्धारित किया गया है। जबकि देखा तो किसानों द्वारा रात दिन मेहनत करते हुये तैयार की गई मूंग का प्रति एकड़ 5 से लेकर 8 क्विंटल के हिसाब से निकल रही है। इस तरह शासन के द्वारा बनाये गये नियमों के आधार पर शासन द्वारा हर किसान की मात्र 3 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से समर्थन मूल्य पर खरीदी की जावेगी तो अन्नदाता को शेष बची मूंग का विक्रय खुल बाजार में व्यापारियों को ओने पाने दामों में विक्रय करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। वही जब खुले बाजार में व्यापारियों द्वारा किसानों के किसी भी अनाज की खरीदी की जाती है तो उनका भाव अपनी मनमर्जी के मुताबिक होने के चलते किसानों द्वारा लगाई जाने वाली लागत निकल पाना भी मुश्किल होने से नही चूकता है। इस तरह सरकार द्वारा किसानों की गर्मी मूंग को समर्थन मूल्य पर खरीद करने के लिये बनाई गई नीति का किसानों द्वारा विरोध किया जा रहा है तो दूसरी ओर सरकार द्वारा खेती को लाभ का धंधा बनाये जाने के भरोसे पर भी सबाल खडे किये जाने से नही चूक रहे है। इस तरह क्षेत्र में सरकार द्वारा किसानों की समर्थन मूल्य पर खरीदी जा रही मूंग को लेकर जब हमारी टीम द्वारा क्षेत्र के बसुरिया सेवा सहकारी समिति के प्रभारी प्रबंधक सतीश सोनी से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि शासन द्वारा हम जो निर्देश दिये गये है उसके तहत अभी तक हमारे द्वारा हर किसान की मूंग 3 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से खरीदी की जा रही है। हमको शासन के जो दिशा निर्देश आते है उसी का पालन करते हुये कार्य किया जाता। वही जब क्षेत्र के युवा कृषक व कांग्रेस नेता तथा जनपद पंचायत सांईखेडा के सदस्य दिग्विजय सिंह से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि केन्द्र से लेकर प्रदेश की सत्ता में बैठी हुई सरकार को सिर्फ किसानों की याद चुनावों के दौरान वोट वटोरने के समय ही आती है। उस समय तो किसानों को बडे बडे सपना दिखाते हुये हमदर्द बनने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है। जब किसानों खाद्य बीज से लेकर अपनी फसल विक्र करने का समय आता है तो वह नेता गायब नजर आने से ही चूक पाते है। इस वर्ष शासन द्वारा जिस तरह किसानों की गर्मी में पैदा होने वाली मूंग को समर्थन मूल्य पर खरीदने की निति बनाई गई है। वही किसानों की मूंग खरीदने के नाम पर औपचारिता निभाने के समान ही नजर आ रही है। जबकि देश व प्रदेश की सरकार में बैठे हुये नेता अपने आपकों किसान का बेटा कहने से नही चूकते है। तक फिर इन किसान के बेटों को यह मालूम नही रहता है कि किसान के एक एकड़ खेत में कितनी मूंग निकलती है। इस वर्ष किसानों द्वारा प्रति एकड़ 5 से अधिक क्विंटल के हिसाब से मूंग पैदा की गई है। मगर समर्थन मूल्य के आधार पर सरकार द्वारा मात्र 3 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से खरीदा जा रहा है। इस स्थिति में किसानों को शेष मूंग का विक्रय व्यापारियों को ओने पाने दामों में करने के लिय मजबूर होना पडेगा। इसी प्रकार से ग्राम बासखेडा के युवा कृषक महेश पटैल का कहना है कि सरकार द्वारा मंचों के माध्यम से किसानों की वोट पाने के लिये किस किस तरह के वादे करते हुये देखा जाता है। मगर जब अन्नदाता को अपनी फसल विक्रय करने का समय आता है तो सरकार द्वारा की जाने वाली मनमानी के डंडे की मार के आगे किसान की आखों से आंसू निकलते हुये ही दिखाई देते है। इसी प्रकार का हाल इस समय देखने मिल रहा है। क्योंकि किसानों द्वा खेतो में सूरज की तेज तपन का सामना करते हुये गर्मी की मूंग तैयारकी गई और सोचा था कि शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदी जावेगी। वही दूसरी इस साल अन्नदाता को प्रकृति ने अच्छा साथ दिया जिसके चलते मूंग की पैदावार अच्छी हुई जो औसतन प्रति एकड़ 5 से 8 क्विंटल का एवरेज आया है। मगर सरकार द्वारा समर्थन मूल पर मात्र 3 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से खरीदी की जा रही यह पूर्ण रूप से गलत है। इसी प्रकार स ग्राम पचामा निवासी कृषक फूलसीग वर्मा का कहना है कि भैया क्षेत्र के किसानों की मूंग लगभग एक माह पहले तैयार हो चुकी है। मगर शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर जो खरीदी का कार्य शुरू किया गया है उसमें देरी होने के कारण किसानों द्वारा अपने खेतों में दूसरी फसल लगाने से लेकर बच्चों की पढ़ाई व अन्य बसकारे की व्यवस्थाये बनाने के लिये साहूकारों से कर्ज के रूप में पैसा इस उम्मीद पर लेकर जरूरतों को पूरा कर लिया गया था कि शासन द्वारा अच्छे भाव से मूंग खरीदी जावेगी जिसमें सभी का पटा दिया जावेगा। मगर शासन के नियम के चक्कर में तो बेचारा अन्नदाता घनचक्कर बनकर रहे गया है। क्योंकि जब खरीदी केन्द्रो पर किसान अपनी मूंग लेकर पहुंचता है तो वहां बताया जाता है कि 3 क्विंटल प्रति एकड़ से अधिक नही खरीदी जावेगी। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि किसानों की 5 से लेकर 8 क्विंटल प्रति एकड़ पर मूंग पैदा हुई तो वह अब शेष मूंग का विक्रय कहा करे। यदि सरकार द्वारा किसानों की मूंग खरीदी में इस तरह का धोखा देगी तो जो अच्छो तो वह होता के पहले ही किसान बाजार में बेंच देते जिससे कर्ज तो न उठाना पड़ता।

यमदूत बन अनियंत्रित गति से दौड़ रहे सिंगल लाईट वाले बड़े वाहनों से बारिश के दिनों में बनी सड़क दुर्घटनाओं की आशंका

हरिभूति न्यूज/सालीचौका।

दुर्घटना से देर भली यह नारा यातायात व्यवस्था सुचारू रखने वाली पुलिस हमेशा दोहराती रहती है, किन्तु विडम्बना की बात है कि उसकी तरफ से सड़कों पर अनियांत्रित गति से वाहन चलाने पर रोक नही लगायी जाती है, जिसकी जीती जागती मिसाल इन दिनों लांक डाउन के दौरान क्षेत्र की सड़को पर तेज गति से दौड़ने हुये वाहनों में देखने को मिल रही है, जहां पर वर्तमान में क्षेत्र की सड़कों पर दो पाहिया, चार पाहिया वाहन ट्रक व ट्रेक्टर यमदूत बनकर फर्राटे से तेज गति में दौड़ते नजर आ रहे है, हालत यह है कि दोपाहिया वाहन चालक, राहगीर काने वाहनो को टू व्हीलर वाहन समझने की भूल कर बैठते है और जब उन्हे सच पता चलता है तो खैरियत से घर पहॅुचने की ईश्वर से प्रार्थना करने लगते है। बताया जाता है कि पुलिस के सामने से भी काने वाहनो के गुजरनें का सिलसिला चलता रहता है पर पुलिस वाहन चालको पर कार्यवाही करने की जगह हरी झंडी दे देती है, जिसका नतीजा है कि ग्राम में सड़क दुर्घटनाओं का अंदेशा लगातार बढ़ता जा रहा है यातायात व्यवस्था में बाधक साबित हो रहे फर्राटे से दौड़ते वाहनों के सम्बंध में हरिभूमि टीम से क्षेत्रवासियों ने चर्चा करते हुए कहा कि गांवो की सड़को पर बिना बैक लाईट वाले वाहनों का दौड़ाया जाना खतरनाक है, सकरे मार्गो पर जब अनियंत्रित गति वाले वाहन चलते है, तो लोंगो का दिल दहल जाता है, पुलिस को जनहित में सड़को पर काने वाहनो के दौड़ाने पर पाबंदी लगानी चाहिए, ग्रामीणों के अनुसार रात में सिंगल लाईट वाले चार पाहिया वाहनों का सड़को पर दौड़ना उचित नही है, इन वाहनो से कभी भी सड़क हादसा हो सकता है, वाहनो की धमा चौकड़ी पर पुलिस को शीघ्र प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्षेत्र के लोगों के मुताबिक हमारे मकान मुख्य सड़क के किनारे बने हुए है, जहां छोटे बच्चे हमेशा खेलते है, बच्चो की नासमझी और निरंकुश वाहन चालको की जुर्रत से कभी भी दुर्घटना हो सकती है, वही क्षेत्र लोगों का कहना है कि शाम के समय अंधेरा होने से इवनिंक बांक पर निकले ग्रामवासी घर लौटते समय चार पाहिया वाहनो की सिंगल लाईट के कारण दोपाहिया वाहन समझ बैठते है और उन्हे बाल बाल बाचते हुए घर लौटने मजबूर होना पड़ता है, लोगों का कहना है कि आर टी ओ एवं पुलिस विभाग को मिलकर काने वाहन चालको के खिलाफ अभियान छेड़ना जरूरी हो गया है अन्यथा कभी भी क्षेत्र में बड़ी सड़क दुर्घटना घटित होना सम्भावित है, अक्सर देखा जाता है कि वाहन चालको को पुलिस का खौफ नहीं रह गया है, इसी का कारण है कि सड़को पर काने वाहन बेरोकटोक दौड़ रहे है, पुलिस द्वारा यादि यातायात व्यवस्था में सुधार अभी नहीं किया गया तो आशंका है कि आने वाले दिनों में जब लॉक डाउन में ढील बरती जावेगी तो बडी घटनाओं को रोक पाना मुश्किल हो जावेगा।

सचिव भर्ती में हुये फर्जीवाडा का राज

खुला 17 साल बाद, नियुक्ति पाने वाले की अंक सूची में मात्र 41.5 प्रतिशत और पंचायत के प्रस्ताव में दर्ज हुये 46 प्रतिशत

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

पंचायतों से लेकर सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों द्वारा किस तरह के गुल खिलाये जाते है इस सच्चाई का शायद ही हस मामले से बडा उदाहरण अन्य कही देखने मिल पायेगा? क्योंकि जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत अधिकारियों द्वारा जिस तरह वर्ष 2007 में पंचायत सचिव के लिये की गई नियुक्ति में निर्धारित किये गये माप दंडों को दर किनार करते हुये युवक को भले ही पंचायत सचिव बना दिया गया है। मगर इस सच्चाई का राज लगभग 17 वर्ष वाद जब खुलकर सामने आया है तो अधिकारी भी अपने दांतों तले अंगुली दवाते हुये नजर आने से नही चूक रहे है? क्योंकि पंचायत सचिव की नियुक्ति को लेकर तैयार किये गये प्रस्ताव में जहां नियुक्त हुये व्यक्ति के अंक 46 प्रतिशत से अधिक दिखाई दे है तो दूसरी ओर शिकायत कर्ता द्वारा सूचना अधिकारि के तहत प्राप्त की गई माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी की गई अंक सूची में उसके अंक मात्र 41.5 प्रतिशत के लगभग आ रहे है। इस तरह 17 साल पहले पंचायत द्वारा पंचायत सचिव को लेकर की गई नियुक्ति को लेकर बीते हुये दिवस वही के रामजी पिता दीपचंद चौधरी द्वारा अनुविभागीय अधिकारी को जनसुनवाई के दौरान आवेदन देते हुये आरोप लगाया है कि राम नरेश कौरव द्वारा अपने फर्जी दस्तावेजों एवं कूट रचित विधि के तहत पंचायत कर्मी की नियुक्ति प्राप्त की गई। शिकायत में उल्लेखित किया गया है कि जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मनकवारा में दिनांक 24/7/2007 से 7/8/2007 तक पंचायत कर्मी की नियुक्ति हेतु सूचना जारी की गई थी। लेकिन ग्राम पंचातय द्वारा जारी सूचना में काट छाट करते हुये 23/7/2007 से 30/72007 तक कर दिया गया था। इस आदेश के परिपालन में ग्राम पंचायत में पंचायत सचिव की भर्ती हेतु 24 आवेदन प्राप्त हुये थें। वही कक्षा 10 वी के आधार पर वरीयता सूची जारी की गई थी। वही नियुक्ति की कार्यवाही 4 अगस्त 2007 को होना थी। मगर विवाद के चलते नियुक्ति का कार्य उस दिवस नही किया गया और पता चला कि वरीयता एवं श्रेष्टता सूची में 15 नंबर के आवेदन कर्ता राम नरेश पिता कंछेदी लाल कौरव को पंचायत कर्मी के रूप में नियुक्त किया गया है। शिकायत कर्ता का आरोप है कि राम नरेश कौरव की कक्षा 10 वी में मात्र 41.5 प्रतिशत अंक थे। मगर पंचायत द्वारा तैयार किये गये प्रस्ताव में उसे काट छाट करते हुये 46 प्रतिशत अंक बताते हुये फर्जी तरीके से नियुक्त किया गया है। इस संबंध में शिकायत कर्ता का आरोप है कि उसके द्वारा उसी समय जिला कलेक्टर से शिकायत करने के साथ साथ पंचायत से सूचना अधिकारी के माध्यम से नियुक्ति संबंधी दस्तावेजों की मांग की गई थी। मगर उपलब्ध नही कराये। इस तरह 17 साल वाल प्राप्त हुये दस्तावेजों को शिकायत के दौरान प्रार्थी द्वारा अधिकारियों को दिखाते हुये सच्चाई से अवगत कराये जाने के साथ कार्यवाही की मांग की गई है।

आखिर में क्या यही है सरकार का स्वच्छता अभियान

गांवों में हैंड पंपों के पास लगा गंदगी का अम्बार

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

जहां एक ओर सरकार द्वारा गांव गांव करोड़ो रूपया खर्च करते हुए स्वाच्छता अभियान चलाते हुए खूब वाही वाली लूटी जा रही है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि गांवों में लगे हुए हेण्ड पंपों के पास गंदा पानी एकत्र होने के कारण लोगों को शुद्व पीने का पानी तक उपलब्ध नही हो पा रहा है। इस स्थिति को देखते हुए जहां अधिकारियों द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान पर सबाल खड़े होते हुए देखे जा रहे है? वही दूसरी ओर लोगों द्वारा प्रदूषित पानी पीने के कारण बीमार पड़ने की भी संभावना बढ़ते हुए दिखाई देने से नही चूक पा रही है? इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों में देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि आम लोगों के उपयोग हेतु लगे हुए हेण्ड पंप के पास इस प्रकार की स्थिति बनी हुई है कि संपूर्ण गांव की गंदी नालियों का पानी एकत्र होने के कारण हेण्ड पंप के समीप गंदगी फैल रही है। वही इस गंदे पानी के कारण हेण्ड पंप भी अब बदबूदार पानी छोड़ते हुये देखे जाने लगे है? जिसके कारण गांवों के लोग इस भीषण गर्मी के दौरान पानी के लिये यहां वहां भटकने के लिये मजबूर देखे जाने लगे है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के गांवों में लगे हुए हेण्ड़ पंपों के पास चारों ओर से गंदा पानी भरने के कारण जहां हेण्ड पंप से भी वही गंदा पानी निकलने लगता है जो पानी पीने योग्य नही होने के कारण लोगों परेशान होना पड़ रहा है। मगर इस ओर न तो पंचायतों द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही संबंधित विभाग द्वारा जिसके चलते लोगों को पीने के पानी हेतु भटकने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है, वही दूसरी ओर प्रशासन द्वारा गांव गांव चलाये जा रहे स्वाच्छता अभियान पर भी सबाल खड़े होने से नही बच पा रहे है, हेण्ड पंप की इस स्थिति को देखते हुए लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि सरकार का सपना इस सच्चाई के चलते पूरा हो पायेगा।

वर्षो पुरानी बिजली लाईनों के भरोसे चल रही अटल ज्योति योजना से परेशान हो रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज/ पलोहा बड़ा।

जिस प्रकार से शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को प्रदेश सरकार द्वारा 24 घंटे बिजली देने की बात कहते हुए अटल ज्योति योजना का शुभारंभ किया गया था जिसके चलते जहां लोगों में खुशी देखने मिल रही थी, मगर यह योजना इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में जिस प्रकार से वर्षो पुरानी बिजली लाईनों में चलते हुए देखी जा रही है उसके चलते ग्रामवासियों को सिर्फ परेशानी ही नही बल्कि इस योजना के तहत 24 बिजली मिल पाना मुश्किल हो रहा है? बताया जाता है कि इस योजना के तहत जिस प्रकार से सिंचाई हेतु अलग वह घरेलू उपयोग हेतु अलग अलग बिजली लाईनों का विस्तार करने के लिए निजी कंपनियों को ठेका देते हुए कार्य कराया गया था। मगर बिजली लाईनों का निर्माण करने वाले ठेकेदारों द्वारा पुराने ही बिजली तारों के माध्यम ही इस योजना को स्वरूप बदते हुए कम बोल्टेज वाले तारों पर हाई बोल्टेज की सप्लाई कर दी गई है जिसके चलते स्थिति इस प्रकार से निर्मित होते हुए देखी जा रही है कि वर्षो पुराने यह तार जहां हाई बोल्टेज को सहन नही कर पा रहा है, क्योंकि पहले ही लो वोल्टेज में आये दिन टूटते हुए देखे जाते थे और अब हाई वोल्टेज के चलते यह आये दिन टूटने के कारण जहां ग्रामीणों को बिजली उपलब्ध कराने की बात तो दूर खतरा साबित होते हुए दिखाई दे रहे है? इतना ही नही आये दिन तारों के टूटने के कारण जहां किसानों के खेतों में आगजनी की घटनाएं घटित होने के कारण किसानों को आर्थिक क्षति का सामना तो करना ही पड़ रहा है, वही दूसरी ओर प्रदेश सरकार की अटल ज्योति योजना पर भी प्रश्न चिन्ह लगाते हुए देखे जा रहे है।

खबर संक्षेप

चैरा जलाशय में आयोजित हुआ राष्ट्रीय मछुआ दिवस कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी । मत्स्य पालन के प्रति जागरुकता बढ़ाने मत्स्य उत्पादन/उत्पादकता में वृद्धि करने एवं उचित मत्स्य प्रबंधन हेतु प्रति वर्ष 10 जुलाई को राष्ट्रीय मछुआ दिवस मनाया जाता है। जिसके उपलक्ष्य में आज बुधवार को शहपुरा जनपद पंचायत अंतर्गत चैरा जलाशय में राष्ट्रीय मछुआ दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को तालाबों/जलाशयों में मत्स्य पालन एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। समिति सदस्यों की समस्याओं का निराकरण किया गया। इस कार्यक्रम में प्रभारी सहायक संचालक मत्स्योदयोग राकेश कुमार चंदेल, मत्स्य निरीक्षक विशाल शरणागत, मत्स्य निरीक्षक हरिचरण विश्वकर्मा, मछुआ सहकारी समिति चैरा के अध्यक्ष बखत लाल बर्मन, सहकारी समिति देवरी कला के अध्यक्ष छिद्दी लाल बर्मन, नर्मदा मछुआ सहकारी समिति एवं घानामार के अध्यक्ष चंद्रकात नंदेहा सहित समिति के अन्य सदस्य और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल गाड़ासरई में 12 जुलाई को आयोजित होगा रोजगार मेला

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग और जिला रोजगार कार्यालय द्वारा 12 जुलाई को प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल गाड़ासरई में जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। आयोजित रोजगार मेले में जिले के शिक्षित एवं बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर है। जिसमें प्रतिष्ठित एसआईएस सिक्युरिटी एंड इंटेलीजेंस सर्विस प्राईवेट लिमिटेड, वर्धमान यार्नस, सतलापुर मण्डीदीप भोपाल, शिव शक्ति एग्रोटेक एवं वर्धमान फेब्रिक शामिल हो रहे हैं। अभ्यर्थियों के लिए योग्यता 5वीं, 8वीं, 12वीं, स्नातक, एमबीए, आईटीआईध डिप्लोमा फिटर, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैकेनिकल सिविल के अभ्यर्थी रोजगार मेला में शामिल हो सकते हैं। आवेदकों के लिए आयुसीमा 18 से 40 वर्ष की आयु के सभी युवक-युवती पात्र होंगे किसी भी प्रकार की शैक्षिक योग्यता रखने वाले इस मेले में भाग ले सकते है। वेतनमान 9000/- से 27000/- योग्यता अनुसार है। रोजगार मेला में आवेदकों को आवश्यक दस्तावेज के रूप में पासपोर्ट साइज फोटो, मार्कशीट मूलप्रति एवं फोटोकॉपी, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं अनुभव संबंधी दस्तावेज लाना अनिवार्य है।

तहसीलदार बजाग को कारण बताओ नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने तहसीलदार बजाग शांतिलाल विश्नोई को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जारी नोटिस में उल्लेखित है कि 10 जुलाई 2024 को प्रमुख राजस्व आयुक्त भोपाल द्वारा वीडियों कांफ्रेस में राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान लक्ष्य के विरुद्ध कम वसूली होने से अप्रसन्ता व्यक्त की गई है। तहसील बजाग अंतर्गत कुल मांग 3361025.00 रुपये के विरुद्ध मात्र 85480.00 रुपये की वसूली की गई है, जो घोर लापरवाही एवं उदासीनता को दर्शाता है। इस संबंध में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक एवं समय सीमा की बैठक में भी सचेत किया गया था, किन्तु लक्ष्य के अनुरूप वसूली नहीं किये जाने पर शांतिलाल विश्नोई को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

सर्पदंश से बालक की मौत

अनूपपुर। अमलाई थाना अंतर्गत बटुरा गांव में परिवार के साथ सो जमीन में सो रहा डेढ़ वर्षीय अबोध बालक नितिन वासुदेव पिता गुरु वासुदेव को अज्ञात जहरीला सर्प ने काट लिया जिला अस्पताल अनूपपुर ले जाने पर डॉक्टर ने मृत घोषित करते हुए घटना की जानकारी जिला अस्पताल पुलिसचौकी को दिए जाने पर पुलिस के द्वारा परिजनों की उपस्थिति में पंचनामा एवं पी,एम,की कार्यवाही करते हुए बालक के शव के अंतिम संस्कार है परिजनों को सौपा।

जुगदेई और झनकी के बीच पीएमजीएसवाय योजना से बन रहा पुल

घटिया रेत से तैयार हो रहा साढ़े तीन करोड़ की लागत का पुल

ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों पर मनमानी का आरोप

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। तहसील क्षेत्र बजाग अंतर्गत जनपद पंचायत करंजिया के जुगदई और झनकी के बीच सढवाछापर में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत साढ़े तीन करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि से ठेकेदार मेसर्स पांडे कंस्ट्रक्शन कंपनी मनेंद्रगढ़ छत्तीसगढ़ द्वारा बनाया जा रहा है। क्षेत्र में शिवनी नदी पर बन रहे पुल पर क्षेत्र जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में की जा रही भारी अनियमितताओं को प्रशासन के संज्ञान में लाने का प्रयास करते हुए घटिया सामग्री से कार्य करने तथा मिट्टी युक्त रेत लगाकर पुल निर्माण कार्य करने का आरोप लगाया है।

मिट्टी युक्त गिट्टी और रेत का उपयोग

झनकी से जुगदई को जोड़ने वाले इस पुल निर्माण कार्य में शुरू से ही अनियमितताएं बरती गई है जिसमें ग्रामीणों ने बताया कि पोल के बेस पर लोहे की उचित मात्रा ना लगाएं जाने तथा कंक्रीट में मानक स्तर और उचित मात्रा में ना मिलाकर मनमानी पूर्वक कार्य करने का आरोप लगाया है। खुले में बिजली तार में चलाया जा रहा पानी मोटर कार्य स्थल पर पर देखा जा रहा है कि पानी निकालने के लिए उपयोग किए जा रहे मोटर में बिजली के तारों को ज्वाइंट पर खुला छोड़ रखा है जबकि इस सड़क से ग्रामीणों का आना जाना लगा रहता है यदि ग्रामीणों या कार्य कर रहे मजदूरों को काम के दौरान कोई अप्रिय घटना घट जाए तो इसका जिम्मेदार कौन होगा।

विभागीय अमला नदारद

पी एम जी एस वाय अंतर्गत बन रहे इस पुल निर्माण कार्य शुरू होने के बाद विभागीय अमला कभी कभार ही कार्य देखने और खानापूर्ति करने के लिए आया है वहीं दूसरी ओर पुल निर्माण कार्य में घटिया मटेरियल का लैब टेस्टिंग नहीं किया गया है जिसका परिणाम यह है कि ठेकेदार द्वारा मनमानी पूर्वक घटिया सामग्री से पुल निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिले में अधिकतर सड़कों और पुलों का कार्य पी एम जी एस वाय योजना अंतर्गत बनाए जा रहे हैं जिसमें घटिया सामग्री से निर्माण कार्य किए जाने के चलते कुछ ही समय में कार्य की घटिया किस्म के निर्माण निकलकर सामने आ रहे हैं जिसमें विभागीय अधिकारियों की गठजोड़ और रजामंदी समझ से परे है कि आखिर कौन सी मजबूरी है जो इस तरह के भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। आखिर कब डिंडोरी जिले में विभागीय अमला नींद से जागेगा कि इस तरह के घटिया सामग्री से निर्मित कार्यों पर ठोस कार्यवाही करेंगा।

इनका कहना है

पुल निर्माण कार्य में घटित स्तर का रेत उपयोग किया जा रहा है जिसकी जानकारी विभाग के अधिकारियों से ली गई तो कोई भी जानकारी उपलब्ध नहीं हो रही है मिट्टी युक्त रेत का उपयोग जमकर किया जा रहा है।

-राजू उददे, जनपद पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत करंजिया

सूक्ष्म पोषक तत्त्वों का फसल उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कृषि विभाग द्वारा प्रेस नोट जारी कर बताया गया कि फसलों की अच्छी पैदावार के लिए नाईट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश के अतिरिक्त सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इनकी आवश्यकता फसल को बहुत कम मात्रा में होती है, परन्तु इसका अर्थ यह नहीं है कि पौधों को इसकी आवश्यकता नहीं है। फसलों के लिए आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्त्वों के अन्तर्गत जस्ता, तांबा, लोहा, मैंगनीज, बोरान, मॉलिब्डेनम, निकल एवं क्लोरीन आते हैं इन तत्वों की कमी होने पर फसल की उपज, उत्पादन एवं उसकी गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ता है, इसके अतिरिक्त इनकी कमी होने पर भरपूर मात्रा में नाईट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश उर्वरकों के प्रयोग करने पर भी अच्छी उपज प्राप्त नहीं की जा सकती एवं इनकी कमी से पौधों में कई तरह के लक्षण उत्पन्न होते हैं।

जिंक - यह पौधे में कैरोटीन, प्रोटीन संश्लेषण एवं हार्मोन के जैविक संश्लेषण में सहायक एन्जाइम क्रियाशीलता बढ़ाने में सहायक होता है, अगर जिंक की कमी हो जाती है तो पत्तियों का आकार छोटा, पत्तियां पीले धब्बे वाली बन जाती है। दलहनी फसलों की पत्तियों में अन्तः शिरीय पर्ण हरिम हीनता दिखाई देता है।

उपयोग – जिंक की कमी को दूर करने हेतु 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर जिंक सल्फेट का उपयोग करें। निजी संस्थानों में श्री जिंक के नाम से यह उपलब्ध है।

बोरॉन – बोरॉन पौधों में शर्करा बढ़ाने में सहायक होता है बोरॉन की कमी के लक्षण सर्वप्रथम वृद्धि बिन्दुओं और नयी पत्तियों मे दिखाई देते हैं। इसकी कमी से पौधों की जड़ों की वृद्धि एवं पत्तियों का आकार विकृत हो जाती है। कलियां कम होती है फूल और बीज कम हो जाती है। अधपके फल फल्लियां गिरने लगती है।

उपयोग – बोरॉन की कमी को दूर करने हेतु 10 कि.ग्रा. प्रति हेक० बोरेक्स का उपयोग करें।

आयरन – आयरन की कमी से पत्तियों के किनारे अधिक समय तक हरे बने रहते हैं, नये कलिकाओं की मृत्यु हो जाती है, राने छोटे रह जाते हैं एवं पौधा क्लोरोफिल रहित हो जाता है।

उपयोग– आयरन की कमी को दूर करने हेतु 50 कि.ग्रा. प्रति हे 40 फेरस सल्फेट का उपयोग करें।

तांबा – यह पौधों में वृद्धि कारक हार्मोन के संश्लेषण में सहायक होता है इसकी कमी से फलों के अंदर रस का निर्माण कम होता है एवं फलों में लाल भूरे धब्बे और अनियमित आकार बनने लगते हैं।

उपयोग– तांबा की कमी को दूर करने हेतु 10 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर कॉपर सल्फेट का उपयोग करें।

मैग्नीज– यह पौधे की एन्जाइम प्रणाली की आरम्भ क्रियाओं में प्रमुख रूप में कार्य करता है। नई पत्तियों के शिरा में हरिम हीनता दिखाई देती है जबकि शिराओं से लगे भाग हरे होते हैं। **उपयोग** – मैगनीज की कमी को दूर करने हेतु 10 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर मैग्नीज सल्फेट का उपयोग करें। निम्न मुख्य सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग बुवाई के पूर्व करें। अतः कृषकों से अनुरोध है कि मृदा स्वास्थ्य एवं फसल उत्पादकता को बनाने रखने के लिए नियमित मात्रा में सूक्ष्म पोषक तत्वों का संतुलित उपयोग अवश्य करें।

पीएचई विभाग द्वारा चलाया जा रहा क्लोरीनेशन अभियान

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता समिति के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग डिण्डौरी के द्वारा जिले के सभी विकासखण्ड के समस्त ग्रामों में पेयजल स्त्रोतों का जल शुद्धिकरण हेतु जरमेक्स (पानी दवा) का छिड़काव किया जा रहा है, इस कार्य के लिये हैण्डपंप संधारण कार्य हेतु जी.पी.एस. युक्त वाहन लगाए गए है। वर्तमान में लगभग 70 प्रतिशत पेयजल स्त्रोतों का क्लोरीनेशन पूर्ण किया जा चुका है, यह कार्य निरंतर प्रगतिरत है। शीघ्र की 100 प्रतिशत पेयजल स्त्रोतों का क्लोरीनेशन पूर्ण कर लिया जाएगा। विभागीय मैदानी अधिकारी-कर्मचारी एवं सहयोगी क्रियान्वयन संस्थाओं आईएसए के माध्यम से भी ग्रामवासियों को जल जनित बीमारियों से रोकथाम हेतु नियमित रूप से क्लोरीनेशन की सलाह हेतु प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। ज्ञात है कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल गुणवत्ता परीक्षण कार्य हेतु प्रत्येक ग्राम में पांच महिलाओं को जल परीक्षण का प्रशिक्षण देकर ग्राम पंचायत में निःशुल्क फील्ड टेस्ट किट का वितरण किया जाता है, जिसके माध्यम से ग्राम स्तर में ही पेयजल की गुणवत्ता का परीक्षण किया जा सके। साथ ही जल शुद्धिकरण हेतु जरमेक्स प्रदाय किया जाता है, ताकि ग्रामवासियों को जल जनित बीमारियों से बचाया जा सके।

समनापुर पुलिस द्वारा ग्राम अंडई में नए कानून को लेकर किया गया संवाद

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। समनापुर थाना अंतर्गत ग्राम अंडई में थाना प्रभारी समनापुर व स्टाफ ने पहुंचकर ग्राम वासियों, सरपंच, उप सरपंच, समेत अन्य जनप्रतिनिधियों व ग्राम वासियों के साथ बैठक कर नए कानून एवं अपराधों के नियंत्रण हेतु संवाद किया गया है। संवाद के दौरान

देश में 1 जुलाई 2024 से प्रभावशील नए कानून के संबंध में मुख्य धाराओं व कानूनी जानकारी संक्षिप्त रूप से आमजनों को अवगत कराया गया है। अपराध रोकथाम के संबंध में साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन होने वाले अपराधों से बचने के तरीके समझाए गए। गांव में अन्य संबंधित समस्याओं के बारे में चर्चा की गई ,इस दौरान थाना प्रभारी ने वाहन चलाने के दौरान अनिवार्य हेलमेट पहनने की समझाइस दी , सड़क में चलने के दौरान अनिवार्य रूप से यातायात के नियमों का पालन करने की अपील की है।

मोहर्रम त्यौहार के मद्देनजर शांति समिति की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज अमरपुर। पुलिस चैकी अमरपुर में मोहर्रम त्यौहार के मद्देनजर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जहां सर्वप्रथम नवागत नायब तहसीलदार पंकज नयन तिवारी द्वारा अपना परिचय देते हुए उपस्थितजनों से परिचित हुए और मोहर्रम त्यौहार में होने वाले कार्यक्रम की जानकारी लेते हुए त्यौहार शांति पूर्वक मनाने की अपील की गई। साथ ही अनेक जगह के अनुभव साझा किए। वहीं पर पुलिस चैकी प्रभारी अतुल हरदहा द्वारा संसोधित भारतीय न्याय संहिता के संसोधित धाराओं का वाचन भी किया जाकर विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं नागरिकों द्वारा मुख्य सड़क से अतिक्रमण हटाए जाने एवं आवारा मवेशियों को प्रतिबंधित करने की बात कही गई। नायब तहसीलदार तिवारी द्वारा सरपंच से अतिक्रमण हटाने का प्रस्ताव पारित कर सभी प्रतिनिधियों एवं उच्चाधिकारियों को भेजने का सुझाव दिया गया। आयोजित शांति समिति के बैठक में प्रमुख रूप से स्थानीय ग्राम पंचायत सरपंच रामनाथ उद्दे, युसूफ खान, महेंद्र ठाकुर, गुलाब सिंह ठाकुर, नारायण सिंह ठाकुर, अनवर खान, संजय सिंगौर, रमेश यादव, घनश्याम चिचाम, साहब लाल पुषाम सहित पुलिस स्टाफ उपस्थित रहे।

भाजपा अपने निरंतर अंत्योदय के मूल मंत्र के साथ चल रही: अवध राज बिलैया

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। विगत दिवस भारतीय जनता पार्टी के विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति सम्पन्न हुई है, इसी तारतम्य में भाजपा जिलाध्यक्ष अवध राज बिलैया के अध्यक्षता में जिला कार्यसमिति की बैठक काआयोजन किया गया। सर्वप्रथम सभी मंचासीन अतिथियों ने भारत माता, पं. दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के तेलीय चित्र पर माल्यार्पण कर बैठक की शुरूआत की। भाजपा जिलाध्यक्ष अवध राज बिलैया ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के राजनैतिक परिदृश्य में भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा को सर्व स्वीकार्यता, संगठन की शक्ति और भाजपा की सरकारों के कल्याणकारी कार्यो और सेवा भावों की गूंज है।भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं के परिश्रम एवं प्रदेश के सामूहित प्रयासों के बल पर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने पहले विधानसभा चुनाव 2023 और फिर लोकसभा चुनाव 2024 में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है।

भाजपा की विस्तारित जिला कार्यसमिति में यह बताते हुए गौरव महसूस हो रहा है कि विधानसभा चुनाव में अभी तक की श्रेष्ठ उपलब्धि प्राप्त करते हुए 48.57 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त कर लगभग 61 प्रतिशत बूथों पर जीत दर्ज करते हुए 163 विधानसभा मे विजय श्री प्राप्त की है।

वहीं लोकसभा चुनाव में 59.57 दर्ज करते हुए लगभग 80 प्रतिशत बूथो पर विजयश्री के साथ लोकसभा की सभी 29 सीटें जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। भाजपा अंत्योदय के मूल मंत्र के साथ चल रही है। और संगठन तंत्र की शक्ति ही वैभव का चित्र सजाती है। हमारी सरकार ने विकसित भारत के लिए विकसित मध्यप्रदेश में आगामी 5 वर्षो मे प्रदेश की वार्षिक बजट को दोगुना कर दी है घरेलू नल जल कनेक्शन, खेती को लाभकारी का धंधा बनाने के लिए श्रीअन्न के अन्तर्गत जिला डिण्डौरी में श्री अन्न अनुसंधान केन्द्र कृषि क्षेत्र में स्थापना की जा रही है।

गंभीर रोगियों के लिए म.प्र. सरकार ने एयर ऐम्बूलेंस सेवा योजना लखपति दीदी, दीदी उज्जवला योजना, मातृ वंदना योजना, स्वामित्व का अधिकार पी.एम. श्री योजना के अन्तर्गत 730 विद्यालय जिसमे डिण्डौरी चन्द्रविजय महाविद्यालय को सम्मिलित किया गया है। पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. सुनील जैन ने कहा कि अभी हाल ही में सम्पन्न हुए लोकसभा चुनाव में अभूतपूर्व सफलता के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा व केन्द्रीय नेतृत्व के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं आपने मार्गदर्शन, प्रेरणा व संबल देकर इस विजय को सुनिचिश्त किया है। निश्चित ही यह बड़ी जीत हमें मध्यप्रदेश की सेवा और सुशासन की बड़ी जिम्मेदारी का एहसास कराती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार और माननीय प्रदेशाध्यक्ष

भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न

विष्णुदत्त शर्मा की अध्यक्षता में संगठन अपने करतब पथ पर अग्रसर है। पूर्व जिलाध्यक्ष कैलाशचंद जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर भाजपा जिला कार्यसमिति हार्दिक बधाई प्रेषित करती है। देश की जनता जनार्दन, कार्यकर्ताओं का अभिनंदन और आभार व्यक्त करती है। यह ऐतिहासिक एवं सुखद् अनुभूति है कि भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के 76 वर्ष मे देश के जनमानस ने किसी प्रधानमंत्री को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप मे जनादेश देकर स्वीकारोक्ति किया है। यह हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए गौरवान्विंत करने वाला पल है। इससे पहले पं. जबाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री रहे है। तब कि परिस्थितिया कुछ अलग थी, उस समय देश की जनता आजादी के उत्साह मे सराबोर थी, किसी विपक्षी दल की चुनौतिया नही थी, लेकिन आज की परिस्थितिया अलग है। अनेक विरोधी दल, देश की जनता को गुमराह, भ्रमित कर वोट पाने की जुगत मे लगे है। ऐसे मे लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री का बनना ऐतिहासिक चमत्कार से कम नही है। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नरेन्द्र सिंह राजपूत ने कहा कि 2024 का ये चुनाव नीति, नीयत, निष्ठा और निर्णयों पर विश्वास का चुनाव रहा है मजबूत और निर्णायक सरकार मे विश्वास, सुरक्षा स्थिरता और निरंतरता में विश्वास, ईमानदारी और कडी मेहनत में विश्वास और सुरक्षा व समृद्धि मे विश्वास सरकार की गारंटी में विश्वास, विकसित भारत के संकल्प मे विश्वास का रहा है। 10 वर्षो की सेवा व सुशासन पर जीत की मुहर जनता ने लगाई है।

जिला महामंत्री ज्ञानदीप त्रिपाठी ने आगामी कार्यक्रम 10 से 15 जुलाई तक मण्डल कार्यसमिति, 15 से 20 जुलाई तक शक्तिकेन्द्र सम्मेलन, 21 जुलाई गुरूपूर्णिमा, 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस, 28 जुलाई मन की बात 23 जून से 4 जुलाई को एक पेड़ मां के नाम व मतदाता अभिनंदन यात्रा और महिला जनप्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया जाना है, जिसकी विस्तृत रूपरेखा मण्डल अध्यक्षगण तैयार कर जिला कार्यालय को सूचित करें। कार्यसमिति के दौरान राजनैतिक प्रस्ताव का वाचन जिला उपाध्यक्ष दिलीप ताम्रकार व समर्थन जिला उपाध्यक्ष बद्रीप्रसाद साहू वहीं बधाई प्रस्ताव जिला उपाध्यक्ष मनोहर सिंह ठाकुर व जिला उपाध्यक्ष प्रीतम मरावी ने समर्थन किया। वहीं जिला मंत्री राजेन्द्र प्रसाद दुबे ने गत दिवस हुए स्वः केदार प्रसाद बिलैया, स्वः अनिल नायक, स्वः लोकेन्द्र यादव सहित कार्यकर्ताओं के निधन पर पर शोक सभा का आयोजन किया गया एवं दो मिनट का मौन रख कर श्रद्वांजली व्यक्त किया। मंच संचालन मण्डल अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ठाकुर व आभार अजजा मोर्चा के जिलाध्यक्ष महेश धुमकेती ने व्यक्त किया। उक्त बैठक में जिला उपाध्यक्ष मनोहर सिंह ठाकुर, बद्रीप्रसाद साहू, दिलीप ताम्रकार, महेश सिंह पाराशर, सुशीला मार्को, प्रीतम मरावी, जिला मंत्री मनका सिंह वनवासी, राजेन्द्र प्रसाद दुबे, कीर्ति गुप्ता, मोहन मरावी, जिला मीडिया प्रभारी सुधीरदत्त तिवारी, जिला कार्यालय मंत्री पुनीत जैन, जिला सह मीडिया प्रभारी अनूप गुप्ता, आशीष वैश्य, जिला सोशल मीडिया संयोजक पवन शर्मा, सह सोशल मीडिया संयोजक अविनाश सिंह सैनी, आई.टी. संयोजक राहुल पाण्डेय,जिला पंचायत उपाध्यक्ष डॉ. अजु जितेन्द्र ब्यौहार, जनपद अध्यक्ष आशा सिंह धुर्वे, प्रियंका आर्मो, मण्डल अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह ठाकुर, हेमसिंह राजपूत, राजकुमार मोगरे, कृष्णकुमार मिश्रा, वरिष्ठ नेता सरमन सिंह ठाकुर, अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष महेश सिंह धुमकेती, युवामोर्चा जिलाध्यक्ष राकेश सिंह परस्ते, अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष परसराम नागेश, महिलामोर्चा जिलाध्यक्ष नरवदिया मरकाम, पि.वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष दशरथ सिंह राठौर, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष जितेन्द्र चंदेल, रमेशचद राठौर, मण्डल महामंत्री भागीरथ उरैती, चन्द्रशेखर नायक, अनिल साहू, अशोक शर्मा, आकाश नामदेव, रीतेश जैन, भरत पट्टा, रघुवीर सैयाम, मनका ठाकुर, जयसिंह सरैया, सुरेश नायक, चमरू यादव, श्वेता जैन,सौरभ सोनी, नीलू जैन, भगवत मरावी, प्रेमसिंह धुर्वे, धनेश धनंजय, सरजूप्रसाद ठाकुर, रजनी मंदे, जगदीश धुर्वे,कुंवरिया मरावी, शत्रुघन पाराशर, गोर्वाधन सरैया, धर्मेन्द्र जैतवार, कुंजन नंदेहा, राजेन्द्र बर्मन, राज साहू, बैजनाथ साहू, लवकुश राठौर, रमेशकुमार परमार सहित बड़ी संख्या मे पदाधिकारी व कार्यकर्तागण मौजूद रहें।

खबर संक्षेप

किशोरी ने लगाई फांसी, जांच में जुटी पुलिस

नरसिंहपुर। बुधवार को थाना क्षेत्र कोतवाली के यादव कॉलोनी मे किराये के मकान मे निवास कर रहे परिवार की 17 वर्षीय किशोरी ने अज्ञात कारणों से फांसी लगा ली जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई कोतवाली महिला पुलिस ने शव को फंदे से निकालकर पंचनामा तैयार कर शव को परीक्षण हेतु जिला चिकित्सालय भेजा गया। पुलिस घटना की हर दृष्टि से जांच में जुटी हुई है । वही सूत्रों की माने तो मोबाइल के जरिये आत्महत्या के कारण स्पष्ट हो सकते है। पुलिस की जांच जारी है । जांच उपरांत ही सच सामने आ सकता है।

किशोर ने खाया जहर

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना स्टेशन गंज निवासी 16 वर्षीय किशोर ने जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया पुलिस ने बताया कि मेहनाज पिता अलीम खान उम्र 16 वर्ष निवासी सांकल रोड थाना स्टेशनगंज द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे उपचार हेतु परिजनों द्वारा जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

बका से डराने वाले आरोपी को सजा

नरसिंहपुर। गत दिवस न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी भारत सिंह रघुवंशी के न्यायालय द्वारा बका से लोगों को डराने धमकाने वाले आरोपी मुलाम चैधरी आत्मज रम्मू चैधरी उम्र 35 वर्ष, निवासी मगरधा थाना स्टेशन गंज जिला नरसिंहपुर को धारा-25 (1-बी) (बी) आयुध अधिनियम में दोषसिद्ध पाते हुये दो वर्ष का सश्रम कारावास व 1,000- रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है।

श्रीमती वर्मा को डीईओ का प्रभार

नरसिंहपुर। गत दिवस लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा शासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से आदेश जारी कर आशिमा वर्मा प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नांदनेर को जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। श्रीमती वर्मा अपने मूल कर्तव्य के साथ अतिरिक्त दायित्वों का निर्वहन करेंगी।

स्व. मुशरान को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नरसिंहपुर । बुधवार को म.प्र.शासन के पूर्व वित्त मंत्री स्व. कर्नल अजय नारायण मुशरान की पुण्यतिथि पर एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर द्वारा मुक्तिधाम स्थित समाधि स्थल पर पुष्पांजलि सभा का आयोजन कर स्थानीय शासकीय जिला चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरण किया गया। एम.आई.एम.टी.एन.सी.सी. कम्पनी द्वारा स्व. कर्नल मुशरान को सलामी उपरान्त मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पुष्पांजलि कार्यक्रम में पं. मैथिलीशरण तिवारी, मनोहर लाल साहू, जमना प्रसाद लोड़ियां करेली, मनोहर हिंगडे, इंजी. रुद्रेश तिवारी, विपिन जाट, प्रदीप जाट, डॉ. अशोक कुमार गर्ग, डॉ. एस.एन.राव सहित समस्त स्टाफ मेंबर्स, रासेयो स्वयंसेवक उपस्थित रहे । उसके उपरांत मुशरान वार्ड पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष नगर पालिका परिषद नरसिंहपुर इंजी. रुद्रेश तिवारी द्वारा पी.एम. श्री शासकीय संजय प्राथमिक शाला पुलिस लाइन, नरसिंहपुर को शीतल पेयजल हेतु वाटर कूलर भेंट किया गया।

बरमान में हो रहे पीली मिट्टी के खनन पर रोक लगाने की मांग

अवैध खनन पर नहीं लग पा रही लगाम पंचायत की आपत्ति के बाद भी जारी खनन

नरसिंहपुर

बीते दिनो ग्राम पंचायत बरमान द्वारा पंचायत क्षेत्र मे हो रहे अवैध खनन को रोकने को लेकर पत्र लिखा गया था । किन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा पंचायत के पत्र को अनदेखा कर अवैध खनन पर विराम नही लगाया गया। अनेको बार शोसल मीडिया पर शेयर करने के बाद भी खनन कारोबारियो पर कोई असर नजर नही आया बरसात कम होते ही अवैध खनन धड़ल्ले से जारी हो जाता है। प्रशासन से लोगो की अपेक्षा है कि अवैध खनन को बंद कराया जाये।

आपत्ति का नहीं हुआ असर

करेली तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत बरमान कला में पीली मिट्टी के खनन को लेकर ग्राम पंचायत द्वारा लगाई गई आपत्ति और इस मामले में कार्रवाई किए जाने की मांग को लेखन जिला प्रशासन सहित संबंधित विभाग के द्वारा अब तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई न किये जाने को लेकर जिले में प्रशासनिक अधिकारियों की हठधर्मिता और मनमानी को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। पंचायत द्वारा आपत्ति लगाये जाने के बाद भी प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कार्रवाई ना करना चिंता का विषय बनता जा रहा है।

रहवासियों के लिए बन सकता है संकट

राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के अंतर्गत ओवर ब्रिज और साइड रोड निर्माण कार्य के लिए ठेका कंपनी द्वारा बरमान से लगे स्टेडियम ग्राउंड क्षेत्र के आसपास से मिट्टी का खनन किया जा रहा है जिससे भविष्य में नर्मदा नदी में बरसात के समय भारी जलभराव के चलते बरमान ग्राम के झिरना मोहल्ले में पानी पहुंचेगा वहीं स्टेडियम से लगे क्षेत्र में नालों से मिट्टी खनन होने से स्टेडियम को भी नुकसान पहुंचेगा इसको लेकर पूर्व में भी ग्राम पंचायत,बरमान द्वारा इस क्षेत्र से मिट्टी खनन पर रोक लगाई जाने की मांग की गई थी। किंतु कुछ समय तक खनन का कार्य बंद हो गया था और गत 7 जुलाई 2024 से दिन-रात भारी मात्रा में पुनः खनन कार्य प्रारंभ कर दिया गया है ।

हाईवे निर्माण मे उपयोग की जा रही मिट्टी

उक्त समस्या को लेकर क्षेत्रीय ग्रामीण सहित ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों ने सीएम हेल्पलाइन, जिला कलेक्टर नरसिंहपुर और खनिज अधिकारी के यहां शिकायत कर इस मामले में रोक लगाये जाने की मांग की है। महत्वपूर्ण बात यह है कि सड़क निर्माण का ठेका लिये ठेकेदारों को अगर पीली मिट्टी का खनन किया ही जाना है तो वह ऐसे स्थानों से पीली मिट्टी का खनन करें जिससे कि अगर भूमि समतल होती है तो उस का लाभ आम लोगों को मिल सके, बावजूद उसके ऐसी जगह से और सड़कों के किनारे से मिट्टी खोदी जा रही है जिससे आने वाले समय में किसी भी प्रकार की जनधन की हानि होने की संभावना लगातार बनी रहेगी ।

सोसायटी से अनाज चोरी करने वाले आरोपी पकड़ाये

करेली । पिछले कुछ महीनों से करेली में एवं अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में चोरी की घटनाएं सामने आती रही है पर इन चोरियों का पता पुलिस मुखविरो के माध्यम से नहीं लगा सकी क्योंकि पुलिस के मुखविर जब चोरी होने एवं अन्य अनेतिक कार्यों की जानकारी गोपनीय तरीके से पुलिस को देते हैं तो पुलिस को गोपनीय जानकारी देने वालों के नाम चोरी करने वाले एवं अन्य और अनेतिक गतिविधियां करने बालो को जानकारी पुलिस और अन्य लोगों के माध्यम से जानकारी लग जाती है कि इस मुखबिर के द्वारा पुलिस को गोपनीय जानकारी दी जा रही है तो उस पर दबाव बनाया जाता है कि गोपनीय जानकारी तुम्हारे द्वारा दी जा रही है इस बात से कुपित होकर गोपनीय जानकारी देने वाला जानकारी नहीं दे पाने के कारण अपराधियो के हौसले बुलंद हो जाते है और अपराध करने में कोई रोक टोक नहीं हो पाती है । अपराध होने लगते हैं ऐसा ही एक मामला बुधवार को सामने आया है ग्राम सागोरिया के निवासी मनीष पिता बिपिन जैन ने अपने खेत के गोदाम से मूंग से भरे हुए 38 बोरो की चोरी होने की जानकारी पुलिस को दिए जाने के बाद भी करेली पुलिस ने मूंग से भरे हुए बोरो की चोरी करने वाले अज्ञात वाहन के साथ-साथ अज्ञात व्यक्तियों के ऊपर मामला दर्ज कर जांच करने के दौरान मूंग के बोरो को ले जाने वाहन के साथ साथ कुछ चोरों को भी पकड़कर पूछताछ के दौरान श्री जैन के द्वारा वाहन को ले जाने की लोकेशन 4 जुलाई एवं 5 जुलाई की रात्रि की जानकारी पुलिस को दी और मूंग से भरे हुए बोरो की चोरी करने वाले वाहन चोरी करने वाले कुछ लोगों को भी पकड़े गए पर जिनके द्वारा मूंग से भरे हुए बोरो की चोरी की और अन्य सोसाटीयो से अनाज चोरी होने की जानकारी को लेकर भी करेली पुलिस शक्ति से पूछताछ नहीं कर पाए स इन चोरों को बचाने बालो से अन्य चोरियों की पता न लग सकेऔर इनको बचाने बालो का करेली पुलिस थाना में आना जाना लगा रहा ।

एनसीसी कैंप शिविरार्थियों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

नरसिंहपुर । गत दिवस 1म.प्र. बटालियन एनसीसी जबलपुर द्वारा संचालित संयुक्त वार्षिक. प्रशिक्षण शिविर झोतेश्वर में एनसीसी कैडिट्स ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री म.प्र. शासन जालम सिंह पटैल ने कैडेट्स को देश हित में कार्य करने की शिक्षा एवं शुभकामनाएं दी। विशिष्ट अतिथि ब्रह्मचारी अचलानंद महाराज ने युवा शक्ति का आवाहन करते हुए उन्हे सद्मार्ग पर चलने हेतु प्रेरित किया। केम्प कमांडेंट कर्नल विवेक भाटरा ने अतिथियों का स्वागत एवं कैंप के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कैंप एडजुटेंट मेजर डॉ पराग नेमा ने केम्प प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में नगरपालिका गोटेगांव अध्यक्ष श्रीमती पूनम जितेंद्र ठाकुर उपाध्यक्ष पंकज चैकसे पार्षद श्रीमती अंजनी दीपक सोनी जिला शिक्षा अधिकारी अनिल ब्यौहार सहित आमंत्रित अतिथियों ए एन ओ पी. आई एवं स्टाफ सिविल स्टाफ आदि की विशेष उपस्थिति रही । बटालियन की ओर से मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गये । प्रशासनिक अधिकारी कर्नल समीर बोडस द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। मणिनागेंद सिंह सैनिक स्कूल फाउंडेशन की ओर से शिविर के समस्त कैडेट्स को पुरस्कार स्वरूप टी शर्ट प्रदान की गई। ब्रह्मचारी जी द्वारा परमहंसी गंगा आश्रम से कैंडिट दुर्गेश को कविता पाठ हेतु शाल एवं ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज का चित्र प्रदान किया । अगले चरण में कर्नल भटारा द्वारा कैम्प क्लोजिंग एड्रेस में कैडिट्स को सकारात्मक दिशा में भविष्य निर्माण करने हेतु दिशा निर्देश दिये। कैम्प में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु ले. दिव्या पाराशर एवं थर्ड ऑफिसर नारायण प्रसाद गुप्ता को स्मृति चिंह एवं विविध गतिविधियों में कैडिट्स को मैडल प्रदान किये गये।

डेढ लाख मे बेची गई थी नाबालिक किशोर, तीन आरोपी पकड़ाये

नरसिंहपुर । बीते दिनो जिला कटनी निवासी नाबालिक पीडिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी जिसमे बताया गया था कि वह अपनी बहिन की लडकी के साथ मजदूरी करने वीना जिला सागर गई थी और बाद में माँ की तबियत खराब होने के बाद ट्रेन से बैठकर कटनी मुडवारा स्टेशन आ गई थी रात अधिक हो जाने पर स्टेशन पर ही रुकी रही जो रेल्वे स्टेशन पर एक महिला और पुरुष उसको अपने घर ले गये और चार दिन घर मे बंधक बनाकर जबरदस्ती रखा एवं वोलेरो वाहन के माध्यम से रेवानगर, करेली ले आये और भैयाराम पाल को 1 लाख 50 हजार रुपये मे बैच दिया और इसकी जबरदस्ती शादी करा दी एवं 05-06 दिन इसके साथ जबरदस्ती गलत काम किया व इसके मना करने के वाद जान से मारने की धमकी देकर डराता एंव धमकाता रहा और भैयाराम पाल अपने घर मे सो रहा था तो यह छिपते-छिपाते वहा से भाग कर राकई गांव पहुँच गई जहाँ से थाना करेली आई जो पीडिता की रिपोर्ट पर अपराध क्र 592/24 धारा 363, 366, 368, 372, 376, (2) (द) 376 (3) 506 ,109, ताहि, 3 (1) () (पप) 3 (2) (अं)3 (2)(अ) 5 (स) ,6 पाक्सो एक्ट का पंजीवद्ध कर विवेचना मे लिया गया। उक्त मामले मे पुलिस ने आरोपी लक्ष्मण चैधरी व उसकी पत्नि राजाबाई अहिरबार दोनो निवासी जिला कटनी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गयी जिन्होने भागीरथ पाल निवासी जिला सागर हाल जिला नरसिंहपुर, थाना करेली एवं राजू उर्फ राजकुमार पाल पिता मंगल पाल उम्र 47 साल निवासी जिला नरसिंहपुर के साथ मिलकर नाबालिक बालिका को भैयाराम पिता शोभाराम पाल उम्र 25 साल निवासी जिला नरसिंहपुर, थाना करेली को 01 लाख 45 हजार रुपये में बेचना बताया। प्रकरण में आरोपीगण भैयाराम पिता शोभाराम पाल उम्र 25 साल, निवासी जिला नरसिंहपुर , लक्ष्मण पिता नन्हेलाल अहिरबार उम्र 52 साल निवासी जिला कटनी, श्रीमति राजाबाई पति लक्ष्मण अहिरबार उम्र 48 साल, निवासी जिला कटनी, भागीरथ पाल पिता लाल पाल उम्र 37 साल, हाल निवासी जिला नरसिंहपुर, थाना करेली, राजू उर्फ राजकुमार पाल पिता मंगल पाल उम्र 47 साल, जिला नरसिंहपुर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय नरसिंहपुर के समक्ष जे आर पर पेश किया गया है। प्रकरण में अन्य आरोपी कौशल्या अहिरबार एवं नित्तू उर्फ नितेश अहिरबार की तलाश जारी है ।

कलेक्टर ने किया प्रधानमंत्री जनमन योजना के शिविरों का निरीक्षण

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने बुधवार को जनपद पंचायत करेली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत आमगांव बड़ा, ग्राम दिलहेरी (ग्वारी) एवं ग्राम पंचायत करताज का औचक निरीक्षण किया एवं यहां आयोजित किये जा रहे प्रधानमंत्री जनमन योजना के शिविरों का अवलोकन कर आज की प्रगति की जानकारी ली। शिविरों में विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने आये ग्रामीणों से चर्चा की और पीएम जनमन योजना के बारे में भी विस्तार से बताया। ग्राम पंचायत आमगांव बड़ा के सचिव ने बताया कि यहां भारिया जनजाति की 46 परिवार निवास करते हैं, जिनकी संख्या 202 है। ग्रामीणों से चर्चा के दौरान कलेक्टर श्रीमती पटले ने ग्रामीणों से प्रधानमंत्री आवास योजना, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, दिव्यांग एवं बुजुर्गो को मिलने वाली पेंशन, आधार अपडेट एवं नवीन आधार सहित केवायसी की जानकारी ली। जाति प्रमाण पत्र बनाने आये ग्रामीणों के जाति प्रमाण पत्र अगले 15 दिन के भीतर बनाये जाने के लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर निर्देशित किया। चर्चा के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास की स्वीकृति मिल गई है। गांव में नाली निर्माण किये जाने की बात ग्रामीणों द्वारा कलेक्टर को बताई गई। कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ करेली को उक्त कार्य करवाने के लिए निर्देशित किया। श्रीमती पटले ने ग्रामीण महिलाओं से पूछा कि क्या वे ग्राम पंचायत की ग्राम सभा में शामिल होती है। इस पर महिलाओं ने बताया कि वे नियमित तौर पर ग्राम सभाओं की बैठक में शामिल होती है और उसकी निर्णयन प्रक्रिया में सहभागिता भी करती है। कलेक्टर श्रीमती पटले ने इस कार्य के लिए उनकी प्रशंसा भी की। नलजल योजना अंतर्गत ग्रामीणों से कहा कि ग्राम पंचायत को जल कर अवश्य दें। इससे ग्राम पंचायत को मिलने वाली राशि से गांव के विकास एवं ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं प्राप्त हो सकेगी। कलेक्टर श्रीमती पटले ने ग्रामीण महिलाओं से चर्चा करते हुए स्व सहायता समूहों मे शामिल महिलाओं द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर बना सकती है। इसके अंतर्गत अगरबत्ती, आचार, पापड़, साबुन, सेनेटेरी, नेपकिन आदि निर्माण कर सकती हैं। इसके लिए इसके लिए समूह को बैंक द्वारा भी सहायता प्रदान की जाती है। महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कलेक्टर श्रीमती पटले ने बताया कि कलेक्टर कार्यालय परिसर के समीप स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा दीदी कैफे का बेहतर संचालन किया जा रहा है। इस समूह से जुड़ी महिलाओं को प्रतिमाह लगभग 7 से 8 हजार रूपये तक की आय हो जाती है। यह महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए सहायक सिद्ध हुआ है। उन्होंने आमगांवबड़ा में रहने वाले युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए स्वरोजगार कैम्प भी आयोजित करने के निर्देश लीड बैंक मैनेजर, जनजातीय कार्यविभाग, अंतव्यवसायी विभाग के अधिकारियों को दिये। कलेक्टर श्रीमती पटले ने आंगनबाड़ी एवं स्कूल संचालन की जानकारी भी ग्रामीणों से ली। इसी तरह ग्राम पंचायत करताज में यहां मौजूद भारिया जनजाति के लोगों से उन्हें मिलने वाले राशन, आयुष्मान कार्ड, पेंशन योजना, आधार कार्ड एवं ईकेवायसी के बारे में जानकारी दी। इस दौरान सहायक आयुक्त सुनील मरकाम, तहसीलदार निर्मल पटले, जनपद पंचायत सीईओ करेली सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में नागरिक बने सहभागी

नरसिंहपुर। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत प्रदेश में पर्यावरण के संरक्षण के लिए यह अभियान अलख जगा रहा है। हर कोई अपने माँ के लिए पेड़ लगाकर इस अभियान के प्रति अपनी सजगता दिखा रहा है। पेड़-पौधों का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। ये हमें न सिर्फ ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि विभिन्न प्रकार के फल-फूल, जड़ी बूटियां और लकड़ियां आदि भी देते हैं। घर के आसपास पौधरोपण करने से गर्मी, भू क्षरण, धूल आदि की समस्या से बच सकते हैं। इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में जिले में जनप्रतिनिधियों, शासकीय अधिकारियों व कर्मचारियों, स्वयं सेवी संगठनों, मप्र जनअभियान परिषदों की विभिन्न समितियों और आम नागरिकों द्वारा व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जा रहा है। ये पौधरोपण घरों, शासकीय भूमियों, ग्रामीण अंचलों, खेत, नदी- तालाबों आदि स्थानों पर व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। पौधरोपण के उपरांत शपथ भी दिलाई जा रही है। रोपे गये इन पौधों को वायुदूत एप में भी अपलोड किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत करेली विकासखण्ड की ग्राम पंचायत सासबहू, तिंसरा, गोबरगांव एवं ग्राम पंचायत माचामउ के ग्राम दाता डोंगरी में 625 पौधों का पौधारोपण किया गया। इनमें पीपल, बरगद, बेल, आंवला, आम, अमरूद, नीम, जामुन, नीबू एवं अशोक आदि फलदार, छायादार व औषधीय पौधे शामिल थे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत करेली ने समस्त विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायतों के सचिव, रोजगार सहायकों को पौधारोपण के साथ- साथ पौधों की सुरक्षा के लिए निर्देश दिये।

खत्म हो गया तेंदूखेड़ा का मवेशी बाजार

तेंदूखेड़ा- एक तरफ जहां पशुपालन को बढ़ावा दिये जाने को लेकर शासन द्वारा तरह तरह की योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहित किया जा रहा है। वहीं संभाग का सबसे बड़ा मवेशी कहलाने वाले तेंदूखेड़ा का पशु बाजार अब लगभग खत्म सा हो गया है।पशु को बांधने छोड़ने की उचित व्यवस्था ना होने तथा दलालों की दलाली और प्रभाव के कारण बाहरी व्यापारियों का आना जाना बंद हो जाना भी एक कारण माना जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के पशु पालक ही कुछ समय तक क्रय विक्रय के लिए तो पहुंचे लेकिन उचित व्यवस्था और भाव ना मिलने के कारण यह बाजार पड़ोसी बाजारों के लिए बरदान साबित हो गया।आज तेंदूखेड़ा से लगे गाडरवारा और सागर जिले के केसली के बाजारों की स्थिति काफी आगे निकल गई है।अब ग्रामीण भी इन्हीं बाजारों में जाकर मवेशी खरीद कर ला रहे हैं। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी अनुसार बरसात के दिनों में भैंसों का क्रय विक्रय हुआ करता था अब वह भी लगभग बंद सा होने की स्थिति में पहुंच गया है।यह मवेशी बाजार राजस्व में वृद्धि में सहायक होता था वहीं आसपास ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सुलभता हुआ करती थी।इस बाजार को पुनः शुरू करने की दिशा में सुविधा के साथ एक व्यवस्थित स्थान की महती आवश्यकता है।

संस्कृति बोध परियोजना अभियान के तहत हुआ अल्प प्रवास

नरसिंहपुर। सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में संस्कृति बोध परियोजना मध्य क्षेत्र अभियान क्षेत्र प्रमुख विष्णु आर्य मनोज पुरी गोस्वामी प्रांत संयोजक संस्कृति बोध परियोजना का अल्प प्रवास पर आगमन हुआ आपके द्वारा जिले के केन्द्रीय विद्यालयों से विद्यालय प्रबंधन पदाधिकारीगण, प्राचार्य, प्रधानाचार्य संस्कृति बोध परियोजना के दायित्ववान आचार्य पूर्व छात्र की बैठक ली गई। जिला केंद्र प्राचार्य राकेश कुमार स्थापक प्रभारी प्रधानाचार्य तुलसीराम पाराशर, प्राचार्य कमलेश तिवारी, विजय शर्मा, विपिन बिहारी श्रीवास्तव, सुरेश कुशवाहा जिला समन्वयक ग्राम भारती गोविंद सिंह किरार बैठक में सम्मिलित हुए।

गत वर्ष की अपेक्षा सोयाबीन का रकबा बढ़ा

बोवाई कार्य युद्ध स्तर पर

तेंदूखेड़ा- खरीफ मौसम के दौरान लगने वाली बरसात की फसल सोयाबीन फसल का रकवा इस बार कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है।जिस सोयाबीन से कृषकों का मोह भंग हो गया था उसे पुनः अपनाना प्रारंभ कर दिया है। रवि मौसम में भी सोयाबीन की नई किस्म का बीज आने पर इस फसल ने किसानों को प्रति एकड़ अपेक्षाकृत लाभ दिलाया था।जिसकी परिणति खरीफ मौसम में भी सोयाबीन फसल को सर्वाधिक मात्रा में बोने का कृषकों का फिर से रुझान बढ़ा है। पिछले साल की अपेक्षा मक्का फसल बहुत कम मात्रा में बोई जा रही है। जिसके पीछे उचित मूल्य लाभ ना मिलना एवं जंगली जानवरों द्वारा गड़ी मात्रा मे नुकसान भी एक कारण माना जा रहा है। पिछले तीन चार सालों में इस कम खर्च वाली फसल को सर्वाधिक कृषकों ने लगाया था। लेकिन इसके उचित भाव ना मिलने व्यापारी वर्ग ने ओने पोने दामों में ही खरीदा था जिस कारण से कृषकों का मोहभंग हो गया। परिणाम स्वरूप इस साल यह फसल बहुत ही कम मात्रा में लगाई गई है।

धान रुपाई का दौर जारी

कृषकों ने खेतों में धान रुपाई कर अब रौपा लगाने का काम युद्धस्तर पर जारी है धान रौपकर अब खेतों में मचैना क्रम चल रहा है। अच्छी बरसात के मौसम विभाग द्वारा मिले संकेत को दृष्टिगत रखते हुए कृषकों द्वारा बासमती धान लगाई जा रही है।